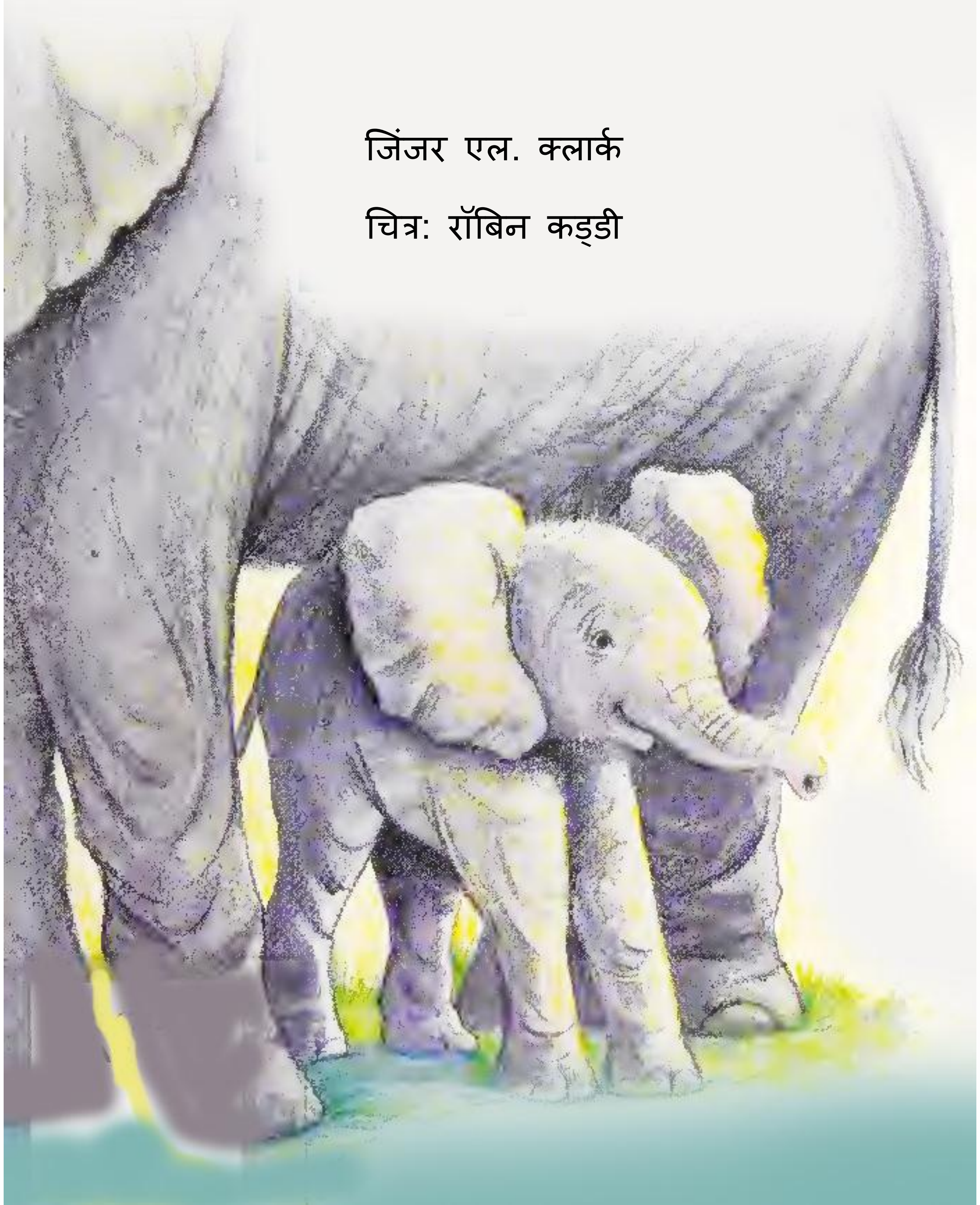
हाथी की बच्ची

जिंजर एल. क्लार्क

चित्र: रॉबिन कड्डी



हाथी की बच्ची

जिंजर एल. क्लार्क

चित्र: रॉबिन कड्डी



अफ़्रीकी घास के मैदान पर

अब रात का समय हो रहा है.

हाथियों का एक परिवार

पेड़ों के एक झुरमुटे के नीचे लेटा है.

वे आमतौर पर एक बार में

केवल दो-तीन घंटे ही सोते हैं.



लेकिन आज रात वे

ज़्यादा देर तक आराम करेंगे.

एक युवा मादा हाथी

अपने पहले बच्चे को जन्म दे रही है.



हाथी का बच्चा लगभग दो साल तक

अपनी माँ के गर्भ में पलता है.

जन्म के समय, शिशु हाथी का वज़न

200 पाउंड और लंबाई तीन फ़ीट होती है.

वो एक मानव शिशु से

20 गुना ज़्यादा भारी होता है!



शिशु हाथी के माथे

और पीठ पर काले रोएँ हैं.

जैसे-जैसे वह बड़ी होगी, ये बाल झड़ेंगे.

उसकी त्वचा रूखी और खुजलीदार है.

उसे भी तुम्हारी तरह सनबर्न हो सकता है.



हाथी का बच्चा अपनी छोटी सूंड चूसता है,
ठीक वैसे ही जैसे एक मानव शिशु
अपना अंगूठा चूसता है.
लगभग एक साल की होने पर
वह अपनी सूंड से भोजन खाना सीखेगी.





अभी के लिए, वह अपनी सूंड को
अपने सिर के ऊपर घुमाती है
और अपनी माँ का दूध पीती है.
माँ हाथी अपनी सूंड का इस्तेमाल
अपने नवजात शिशु को गले
लगाने के लिए करती है.

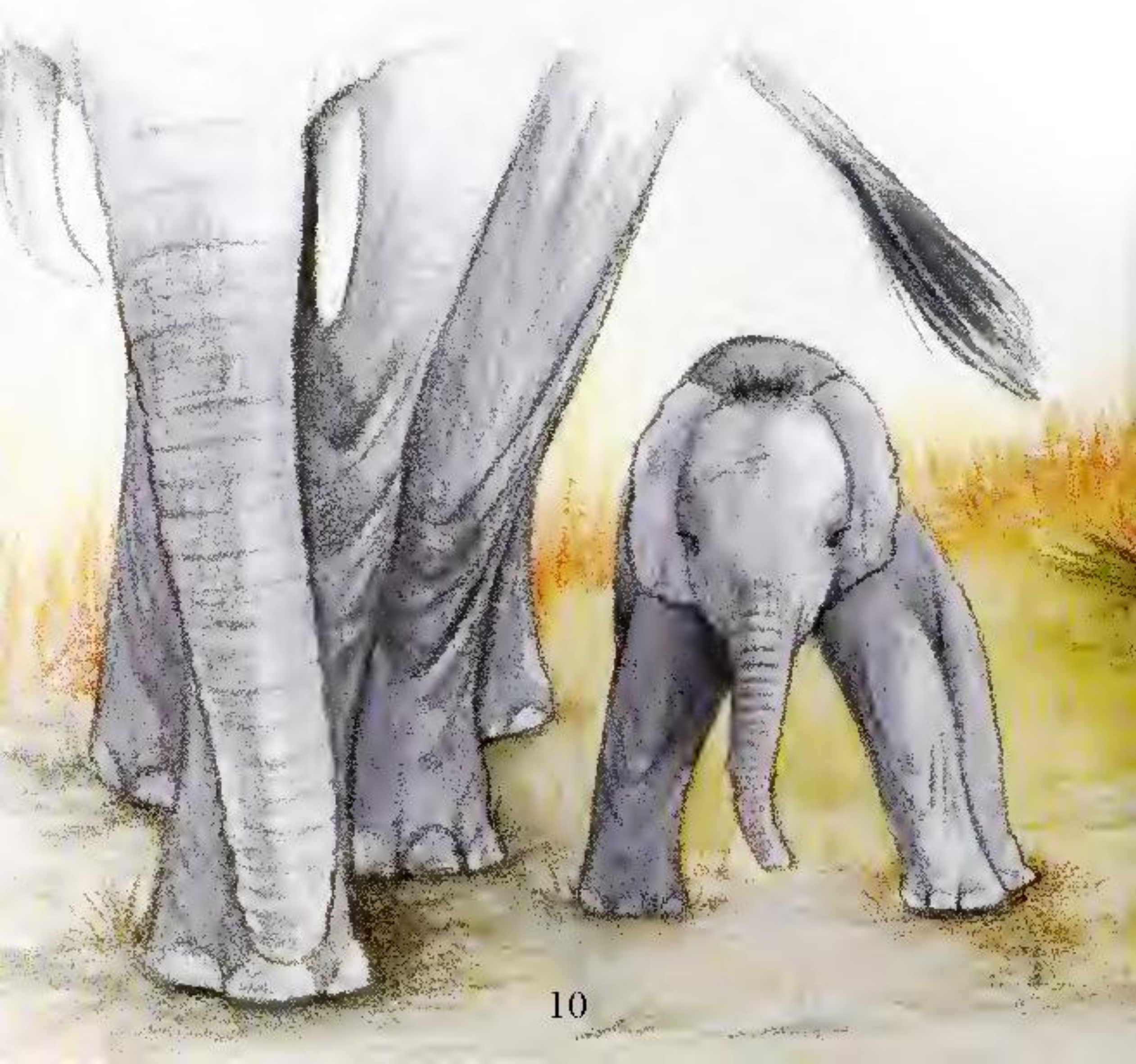
उफ़!

शिशु हाथी पहले लड़खड़ाता है.

लेकिन, वह एक घंटे से भी

कम समय में चल सकता है!

उसे जल्दी चलना सीखना होगा.



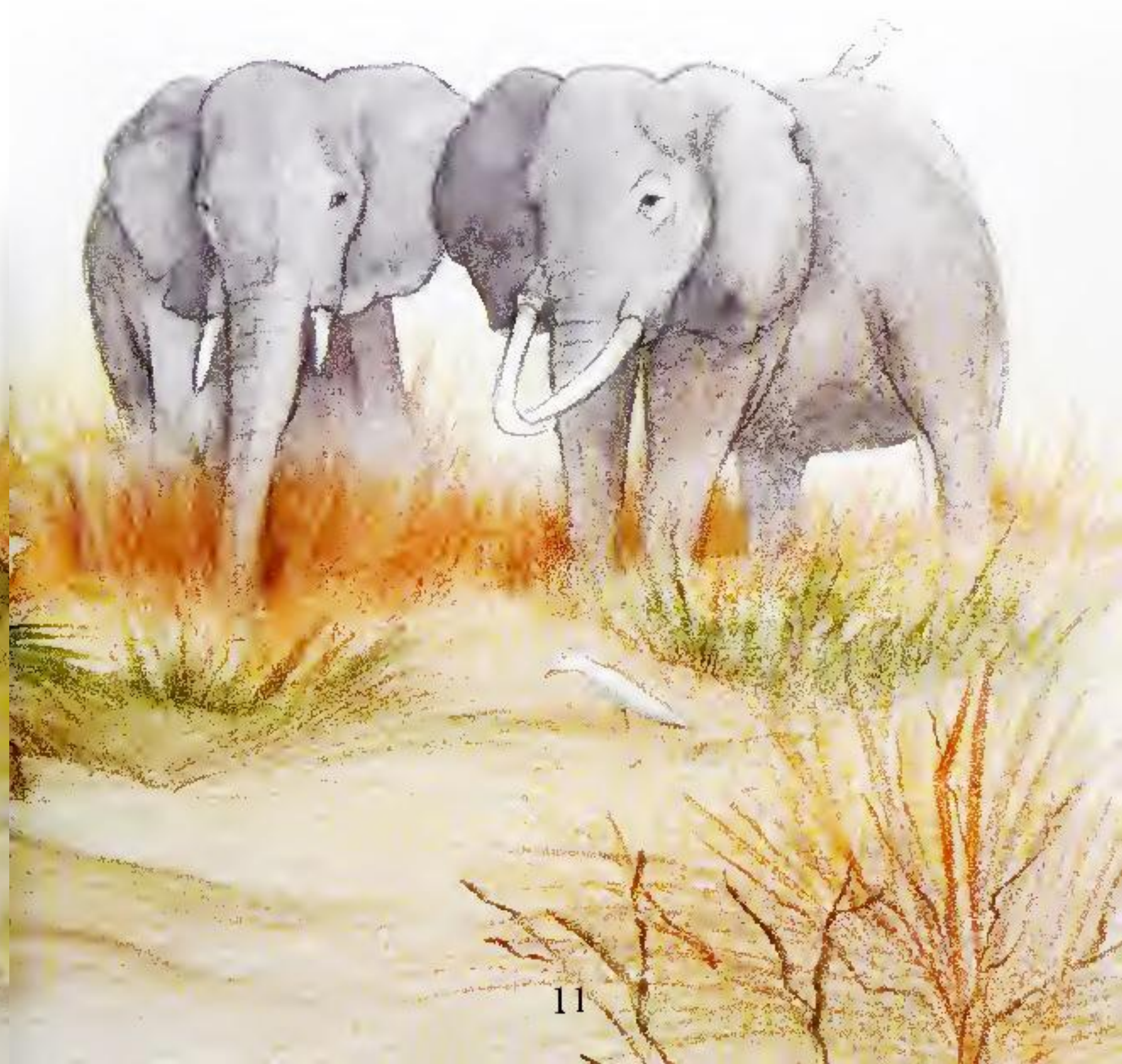
हाथी परिवार बहुत देर तक

एक ही जगह पर नहीं रहते.

वे हमेशा भोजन और पानी की तलाश में रहते हैं.

और वे शेर जैसे जानवरों से दूर रहते हैं

शेर, शिशु हाथी को नुकसान पहुँचा सकते हैं.



शिशु को आराम करने के लिए

पर्याप्त समय मिलने के बाद,

नई माँ और शिशु जाने के लिए तैयार होते हैं.

सभी हाथी नए शिशु का स्वागत

करने के लिए उसे छूते और सूंघते हैं.

हाथी परिवार एक लाइन में खड़ा हो जाता है.

वे रात भर चलते हैं.

वे पानी की तलाश में हैं.



छोटे हाथी अपनी माँ की पूँछ पकड़े रहता है

ताकि वे खो न जाए या पीछे न छूट जाए.

नवजात शिशु अपनी माँ के नीचे चलता है.

वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित है.



अब लगभग सुबह हो चुकी है.

हाथी बहुत प्यासे हैं.

वे धीमी गड़गड़ाहट के साथ

एक-दूसरे को पुकारते हैं

ताकि वे साथ रह सकें.

वे ऐसी आवाज़ें भी निकालते हैं जिन्हें

लोग नहीं सुन सकते.

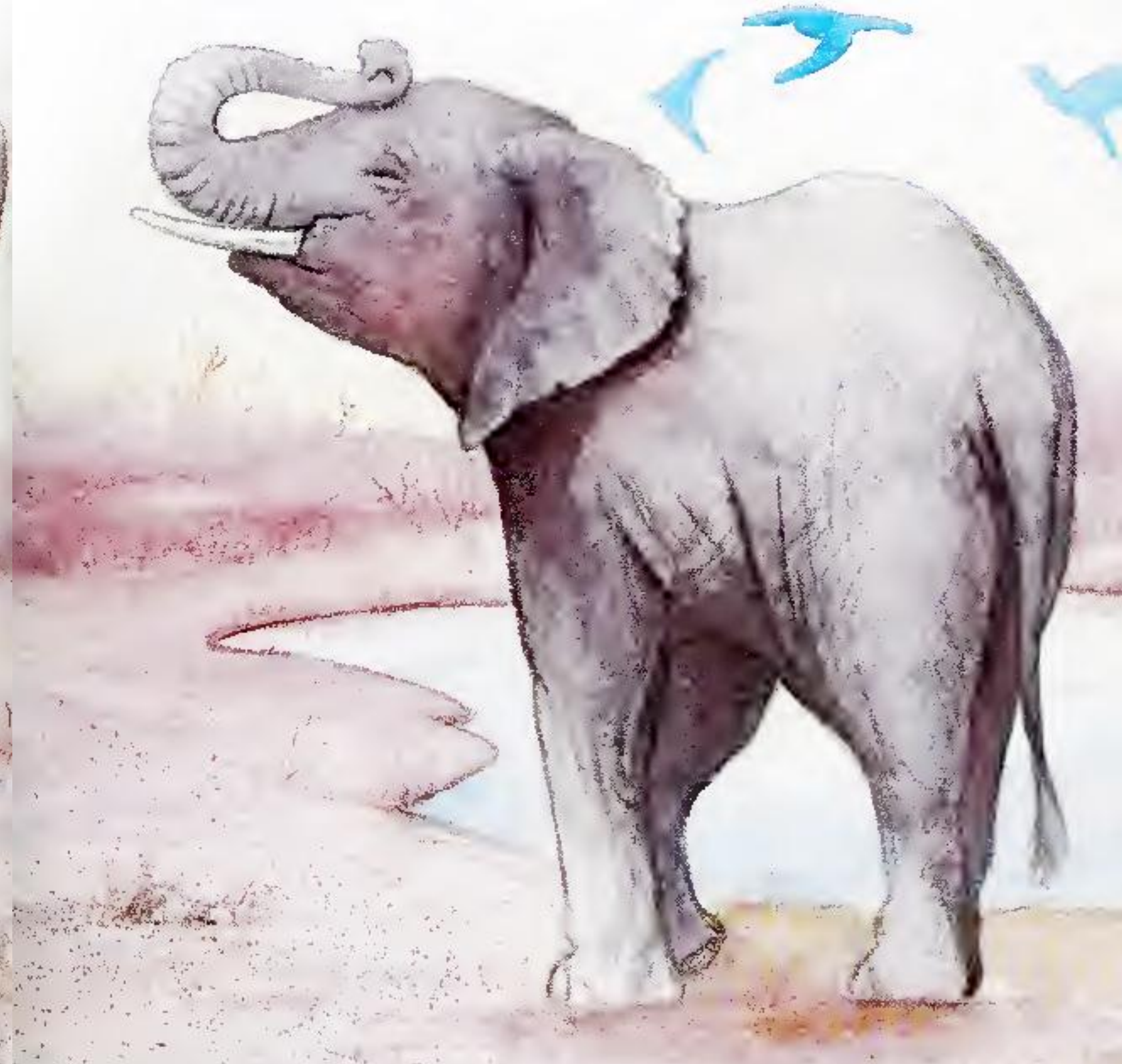


हा-रू!

कतार में सबसे आगे एक हाथी

अपनी सूंड से ज़ोर से तुरही बजाता है.

उसे पानी का एक गड्ढा मिल गया है!



छपाक!

हाथी पानी में तैरते हैं

और कीचड़ में लोटते हैं.

हाथियों को बहुत सारे कीड़े काटते हैं.

कीचड़ उन्हें खुजली से बचाती है.



हाथी की बेटी तैरना सीख जाती है

लगभग जैसे ही वो चलना सीखती है.

और वह पानी के नीचे भी अपनी

माँ का दूध भी पी सकती है!





सूंड हाथी की नाक, और होंठों जैसी होती है.

हाथी की बच्ची अपनी सूंड से पानी

एक स्ट्रॉ की तरह चूसती है.

वह पानी अपने मुँह में डालती है.

वयस्क हाथी एक दिन में

230 लीटर पानी तक पी सकते हैं.

सूंड का इस्तेमाल वो हाथों की तरह भी करते हैं.

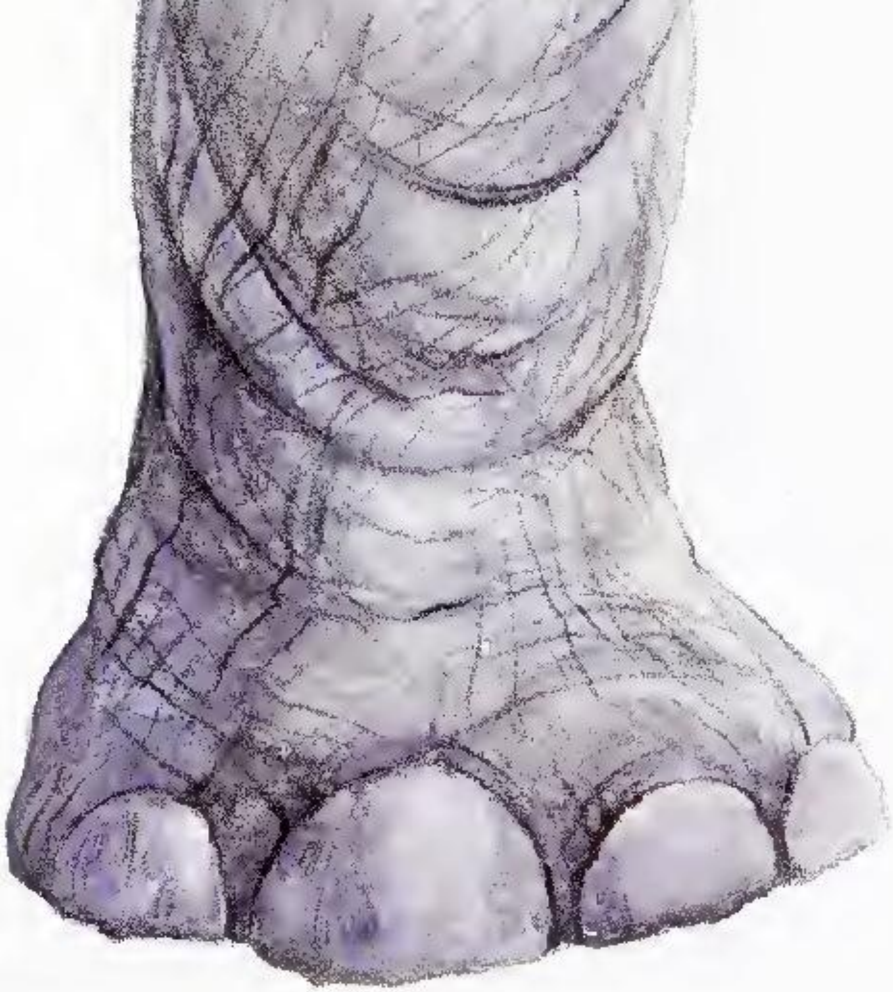
सूंड के सिरे पर दो छोटी "उंगलियाँ" भी होती हैं.

ये उंगलियाँ हाथियों को चीज़ें उठाने में मदद करती हैं.

हाथी अपनी सूंड का इस्तेमाल सूंघने, बात करने,

छूने, चूमने, पीने, खाने और नहाने के लिए करते हैं.





हाथी बहुत चुपचाप चल सकते हैं,

क्योंकि उनके पैर मुलायम और गद्देदार होते हैं.

हाथी के पैरों के निशान आसानी से देखे जा सकते हैं.

हाथी के बड़े, गोल पैरों के निशान

लगभग एक कार के टायर के आकार के होते हैं!



हाथी के पैर मनुष्य के पैरों जैसे नहीं होते.

अफ़्रीकी हाथियों के आगे के पैरों में

चार उंगलियाँ होती हैं,

और पिछले पैरों में तीन उंगलियाँ.

लेकिन हाथी अपने पंजों के बल चलते हैं,

क्योंकि उनके पैरों की हड्डियाँ

का ढांचा वैसा ही होता है.

नाश्ते का समय हो गया है.

क्रर-अक!

माँ हाथी एक काँटेदार पेड़ की

कुछ शाखाएँ तोड़ती है.

वह चबाने के लिए अपने

बड़े दाँतों का इस्तेमाल करती है.

हाथी के पुराने दाँत चबाने से घिसने पर

नए दाँत उग आते हैं.



हाथी मांस नहीं खाते.

उन्हें घास, पत्ते और बाँस खाना पसंद है.

उन्हें अंजीर,

नारियल और केले जैसे फल खाना भी पसंद है.

हाथी बहुत खाते हैं—

रोज़ाना 200 किलो खाना!



जब बच्चा हाथी बड़ा हो जाता है,

तो उसका वज़न चार टन तक हो जाता है.

वयस्क हाथी लगभग दस फ़ीट लंबे होते हैं.

वे कई छतों से भी ऊँचे होते हैं.

हाथी ज़मीन पर पाए जाने वाले

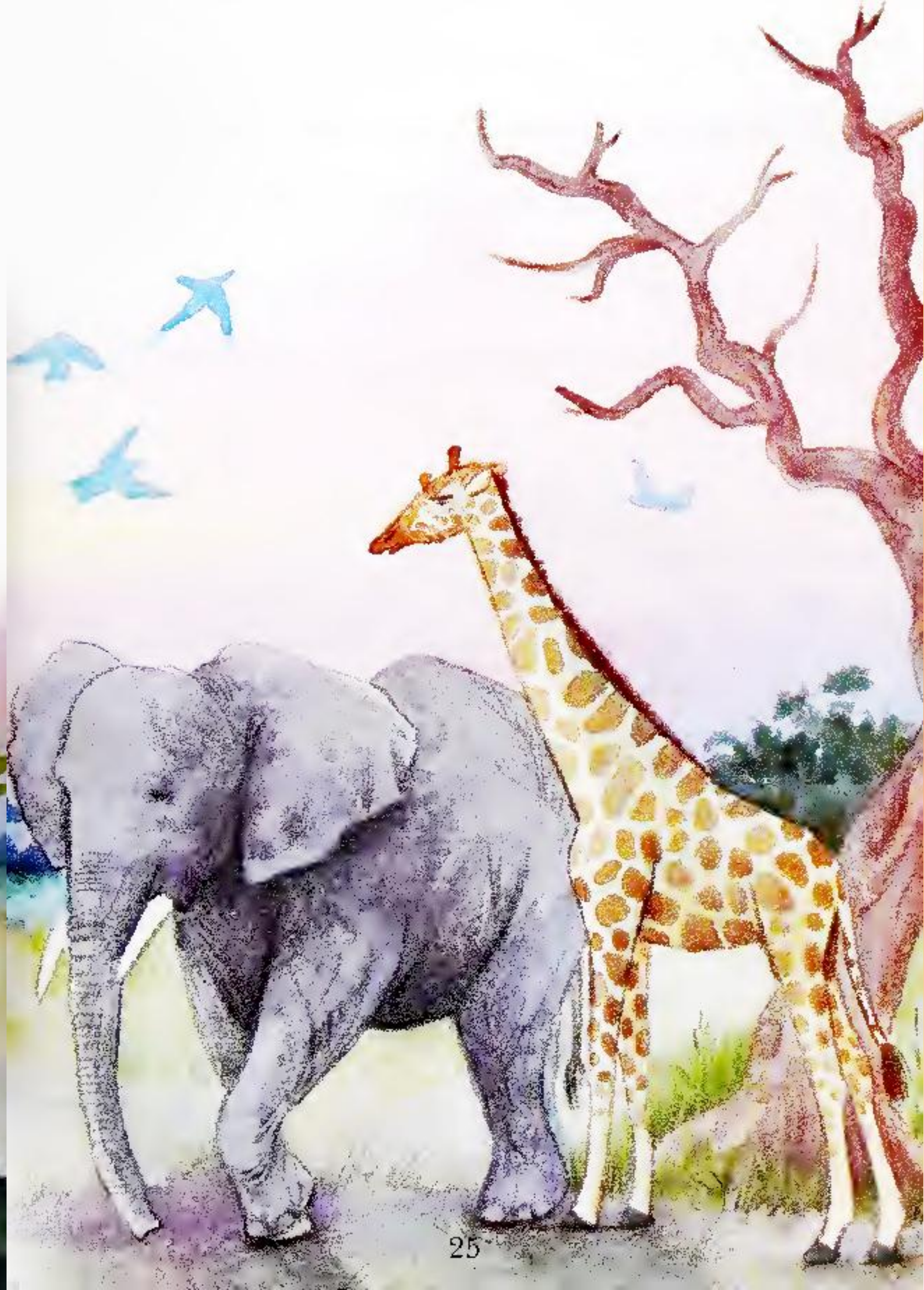
सबसे भारी जानवर हैं.

सिर्फ़ व्हेल ही उनसे बड़ी होती हैं.

हाथ से ऊंचे जानवर सिर्फ़ जिराफ़ हैं.

हाथी वाकई में बहुत बड़े होते हैं!





अफ़्रीकी हाथी के कान

पाँच फ़ीट तक चौड़े हो सकते हैं.

हाथी अपने विशाल कानों को

पंखे की तरह फड़फड़ाते हैं

ताकि वे खुद को ठंडा रख सकें.

वे अपने कानों से बातें भी करते हैं.

एक गुस्सैल हाथी अपने कान बाहर निकाल लेता है.



एक उदास हाथी अपने कान

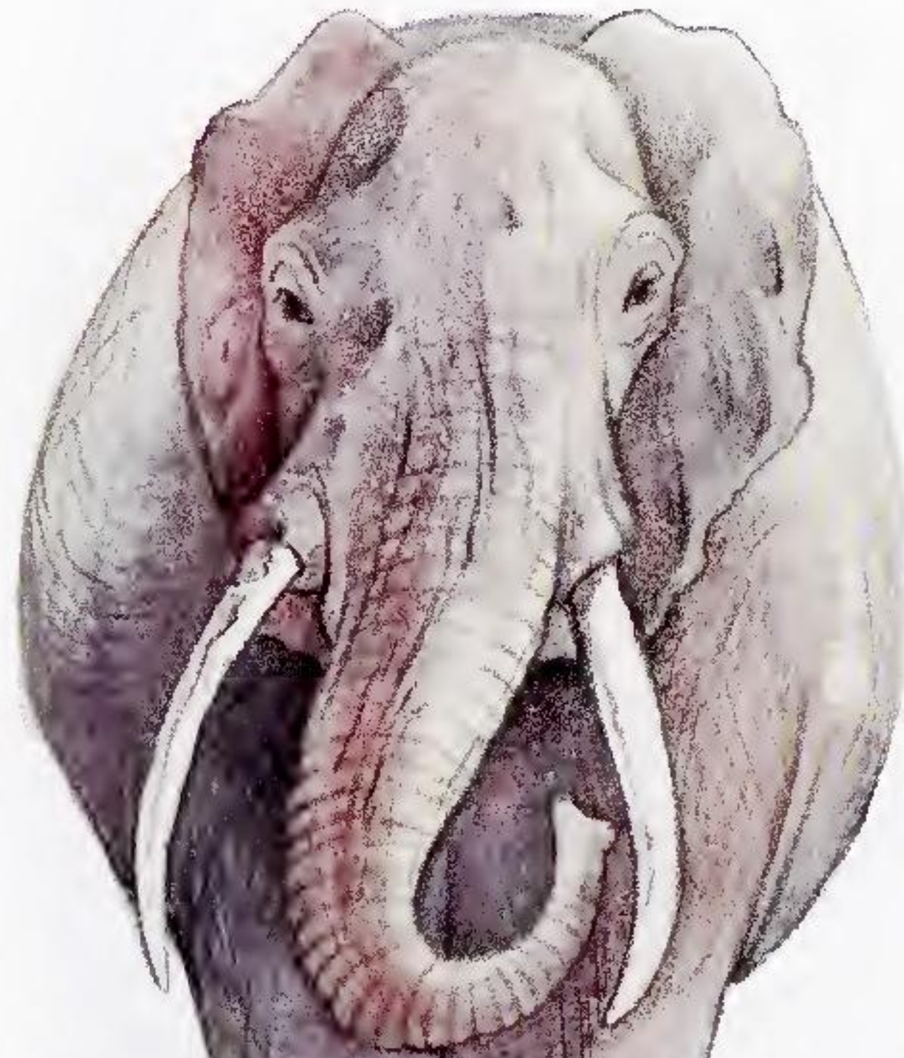
पीछे की ओर सपाट कर लेता है.

हाथी के कान इंसानों के उंगलियों

के निशान जैसे होते हैं.

उनके आकार, धब्बे और माप अलग-अलग होते हैं.

कोई भी दो-कान बिल्कुल एक-जैसे नहीं होते!



नर अफ़्रीकी हाथी

मादाओं से बहुत बड़े होते हैं.

नर को बैल कहा जाता है.

मादा को गाय कहा जाता है.

उनके बच्चे बछड़े कहलाते हैं.

हाथियों का एक परिवार वयस्क मादाओं

और उनके बच्चों से बना होता है.



इस समूह को झुंड कहा जाता है.

नर हाथी लगभग तेरह साल की

उम्र में झुंड छोड़ देते हैं.

वे कभी-कभी बड़े नरों के साथ यात्रा करते हैं.

लेकिन, वे ज़्यादातर अकेले ही रहते हैं.



नर और मादा दोनों हाथियों के दांत

हाथीदांत के बने होते हैं.

हाथीदांत आपके दांतों की तरह सख्त होता है.

उनके दांत तब बढ़ने लगते हैं जब

हाथी दो साल के होते हैं.

हाथी अपने दांतों का इस्तेमाल

औज़ार की तरह, खाना ढूँढ़ने के लिए

और मिट्टी खोदने के लिए करते हैं.



नर हाथियों के दाँत मादा हाथियों

के दाँतों से कहीं ज़्यादा लंबे होते हैं.

नर हाथियों के दाँत लड़ाई के लिए होते हैं.

ये नुकीले हथियार खतरनाक होते हैं!



कभी-कभी इंसान अफ़्रीकी हाथियों को

उनके खूबसूरत हाथी दाँतों के लिए मार देते हैं.

हाथी दाँत का इस्तेमाल गहने, बटन,

पियानो की चाबियाँ और

दूसरी चीज़ें बनाने में किया जाता है.

ज़्यादातर जगहों पर अफ़्रीकी हाथियों को

क़ानून द्वारा संरक्षण प्राप्त है.

लेकिन लोग आज भी हाथियों को मारते हैं

क्योंकि वे उनसे डरते हैं और उनके दाँतों के लिए भी.



हाथी आमतौर पर शांत स्वभाव के होते हैं

और लोगों से दूर रहते हैं.

लेकिन कभी-कभी हाथी

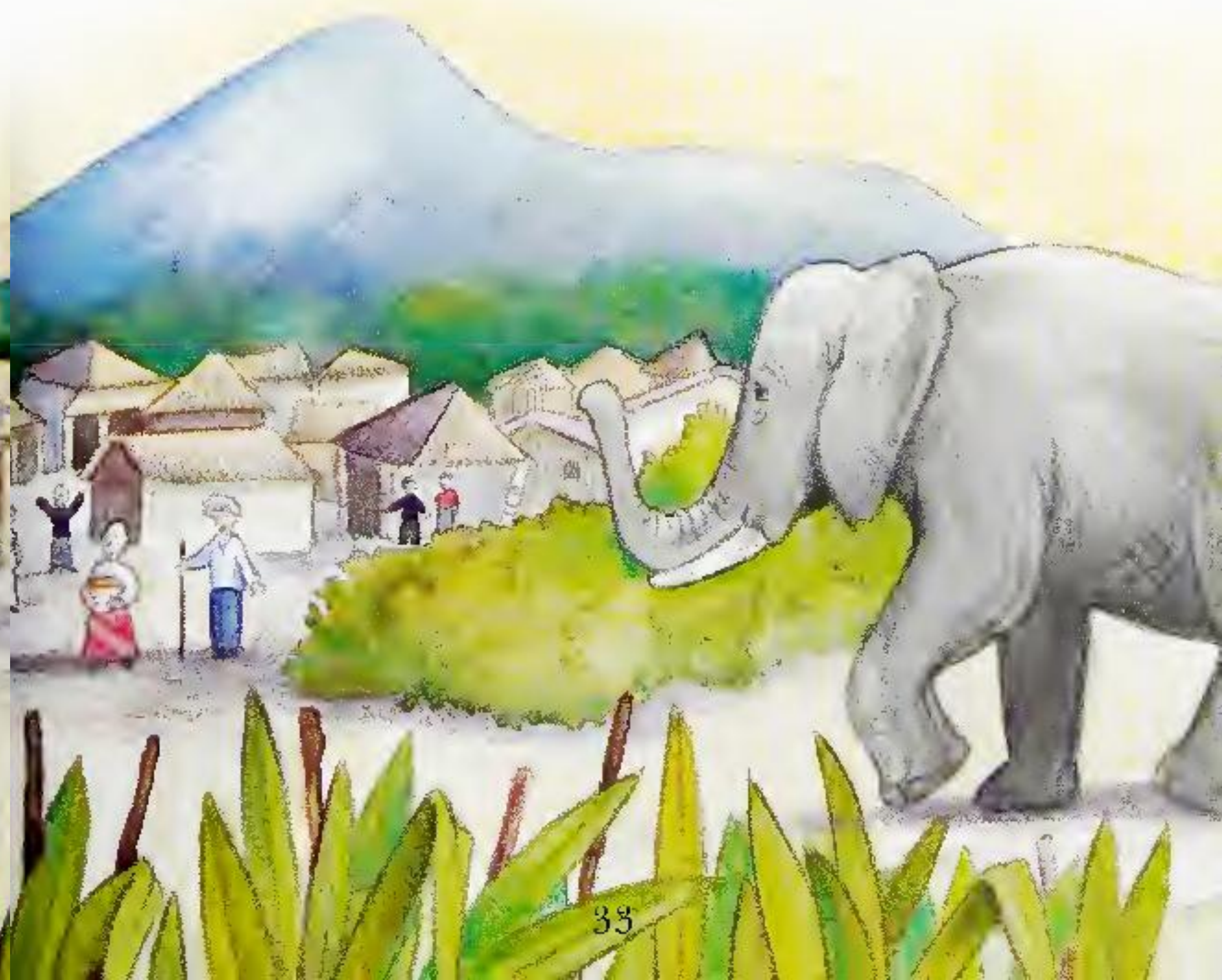
गाँवों और खेतों में भटक जाते हैं.

उनके लिए रहने की जगह

ढूँढ़ पाना मुश्किल होता है

क्योंकि लोग उन इलाकों में आकर बस

जाते हैं जहाँ कभी हाथी खुलेआम घूमते थे.

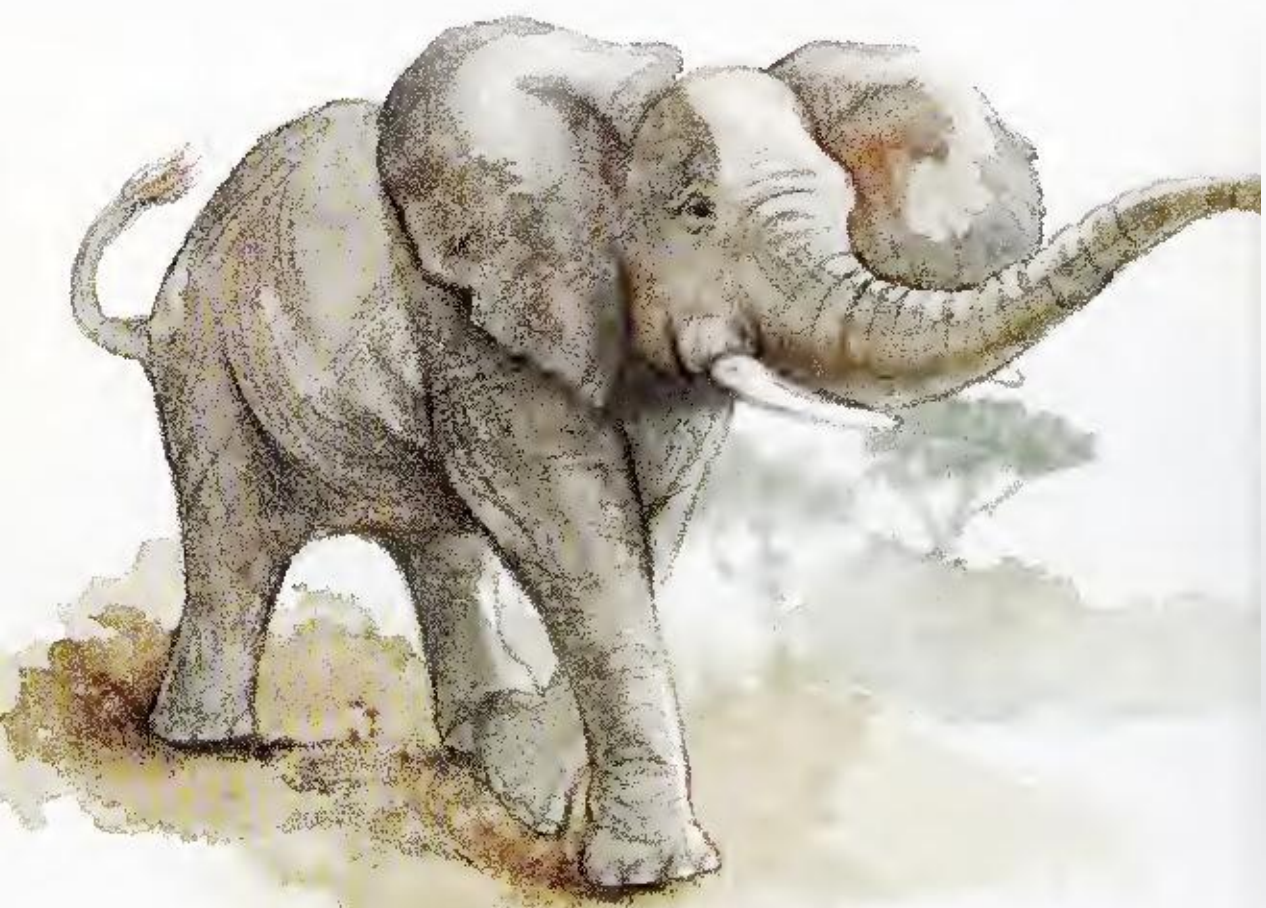


हाथी लंबे समय से पृथ्वी पर मौजूद हैं.

हाथी, मैमथ से संबंधित हैं.

कुछ मैमथ 8,000 साल पहले भी जीवित थे,

लेकिन अब वे सभी विलुप्त हो चुके हैं.



कुछ के बाल ऊनी थे, लेकिन कुछ के नहीं.

कई मैमथ, अफ़्रीकी हाथियों जितने बड़े नहीं थे.

उनमें से कुछ के लंबे दाँत थे

जो घुमावदार थे!



30 साल से भी कम समय पहले,

10 लाख से ज़्यादा अफ़्रीकी हाथी थे.

अब, उनमें से केवल आधे ही बचे हैं.

लेकिन अफ़्रीका के कुछ पार्क इन हाथियों को

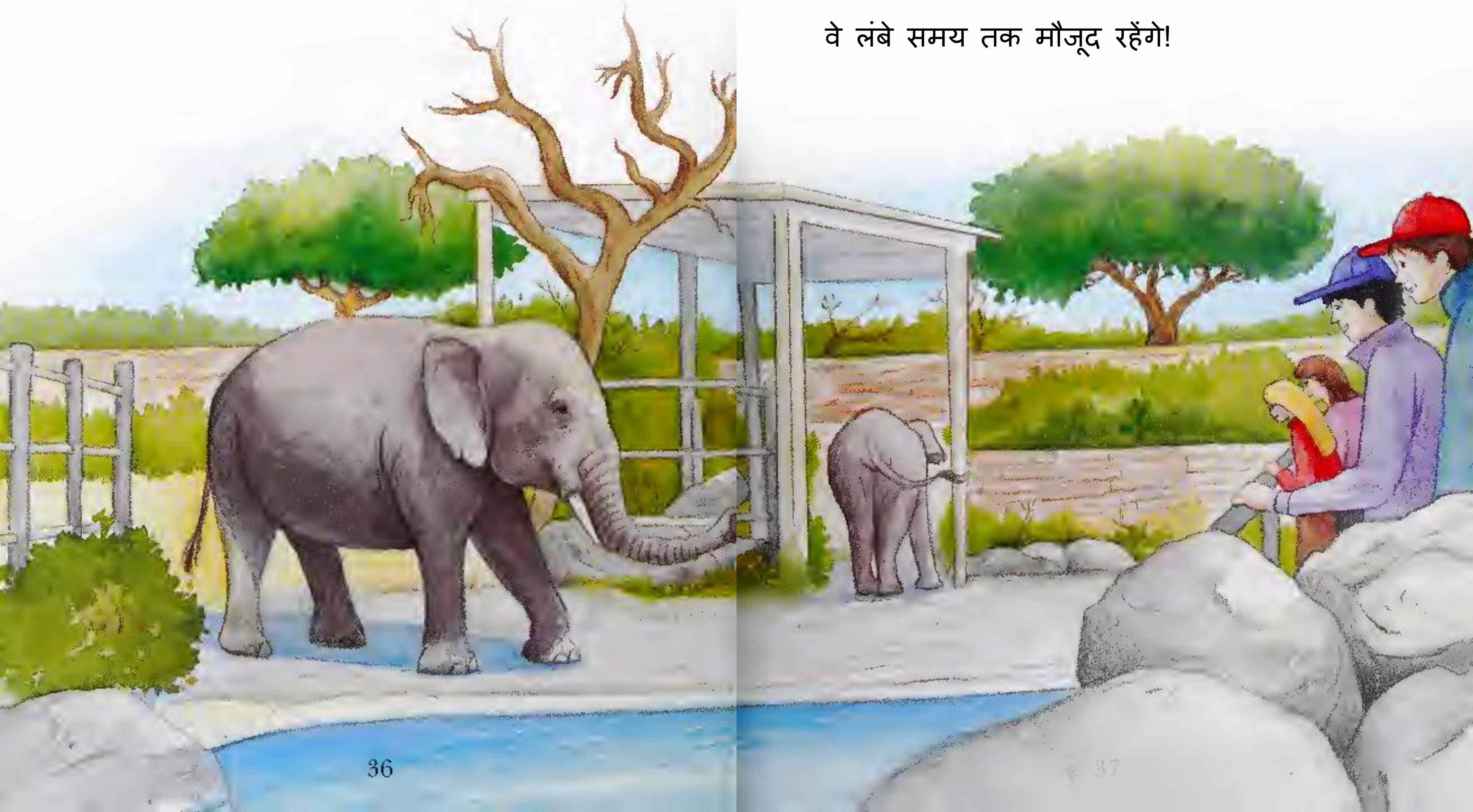
सुरक्षित रखने में मदद कर रहे हैं.

और दुनिया भर के चिड़ियाघरों में

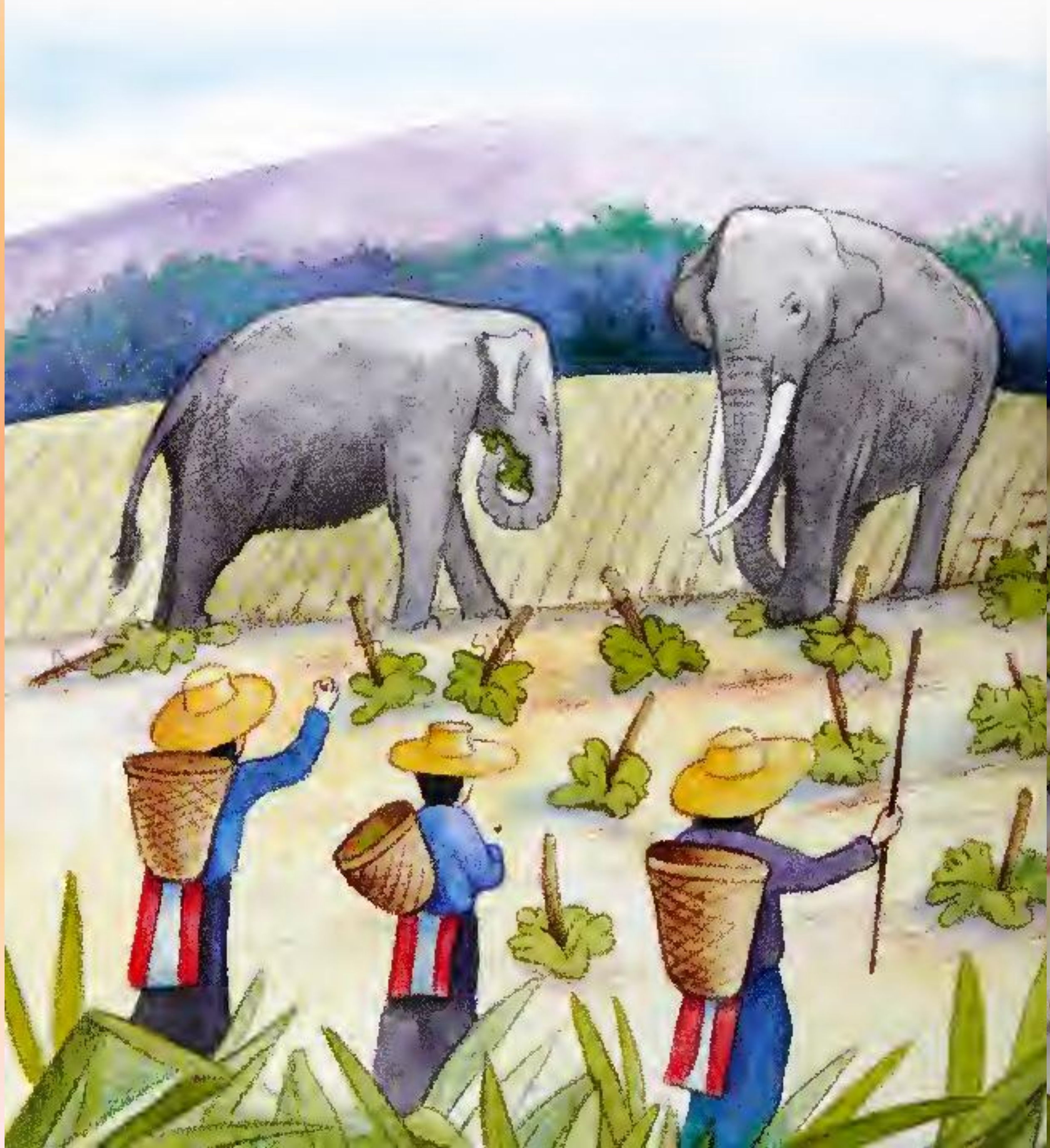
कई शिशु हाथियों का जन्म हुआ है.

इसलिए हमें उम्मीद है कि

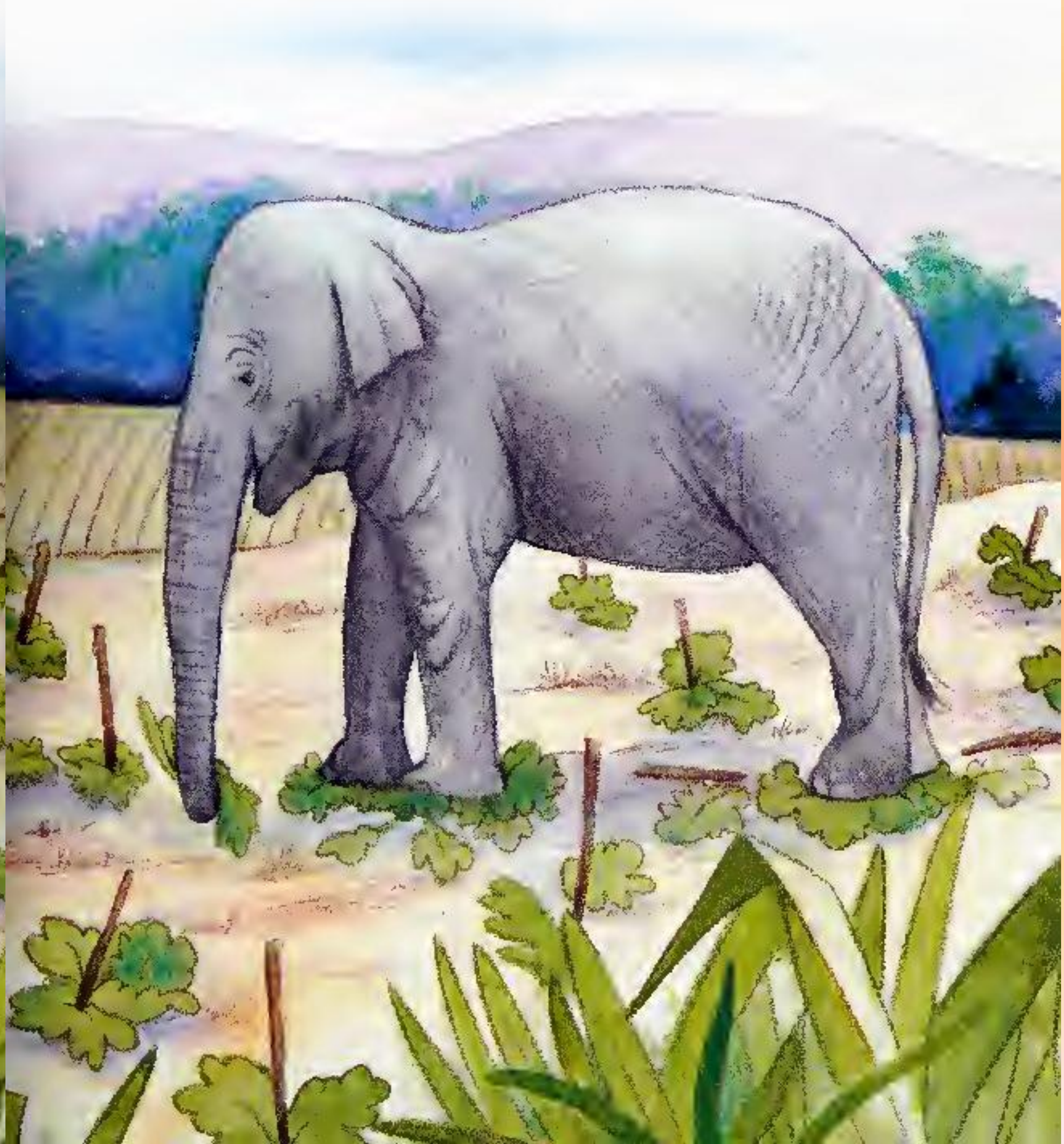
वे लंबे समय तक मौजूद रहेंगे!



अफ़्रीकी हाथियों के छोटे रिश्तेदार भी हैं
जो एशिया के जंगलों में रहते हैं.
वहां के जंगलों में अब
केवल 40,000 एशियाई हाथी ही बचे हैं.



उनके रहने के लिए जंगल कम पड़ रहे हैं.
किसानों को गुस्सा आता है जब हाथी
उनके पेड़ और फ़सलें खा जाते हैं.
लेकिन बेचारे हाथी बस भूखे होते हैं.





आप अफ़्रीकी और एशियाई हाथियों को
उनके कानों के आकार से अलग पहचान सकते हैं.
अफ़्रीकी हाथियों के कान बड़े होते हैं
और अफ़्रीका के नक्शे जैसे दिखते हैं.
एशियाई हाथियों के कान छोटे होते हैं
और एशिया के नक्शे जैसे दिखते हैं.



एशियाई हाथियों की सूंड पर दो की बजाय
सिर्फ़ एक ही उंगली होती है.
सभी अफ़्रीकी हाथियों के दाँत होते हैं,
लेकिन मादा एशियाई हाथियों के दाँत नहीं होते.
ये चचेरे भाई-बहन दिखने में एक जैसे होते हैं,
लेकिन उनका जीवन बहुत अलग होता है.

ज़्यादातर अफ़्रीकी हाथी जंगल में रहते हैं.

कुछ एशियाई कुछ काम भी करते हैं

जो उनके मालिक उनसे करवाते हैं.

लोग इनका इस्तेमाल लकड़ियाँ ढोने, सवारी करने,

गाड़ियों को धकेलने और भारी सामान उठाने के लिए करते हैं.

बहुत पहले युद्धों में भी हाथियों का इस्तेमाल होता था.





एशियाई हाथियों को सर्कस

के लिए प्रशिक्षित किया जाता है.

कभी-कभी उन्हें रंगा, संवारा जाता है

और विशेष समारोहों के लिए सजाया जाता है.

हाथी भारत के हिंदू लोगों के लिए

बहुत खास होते हैं.

हाथी परिवार बहुत करीबी होता है.

सबसे बूढ़ी मादा झुंड का नेतृत्व करती है.

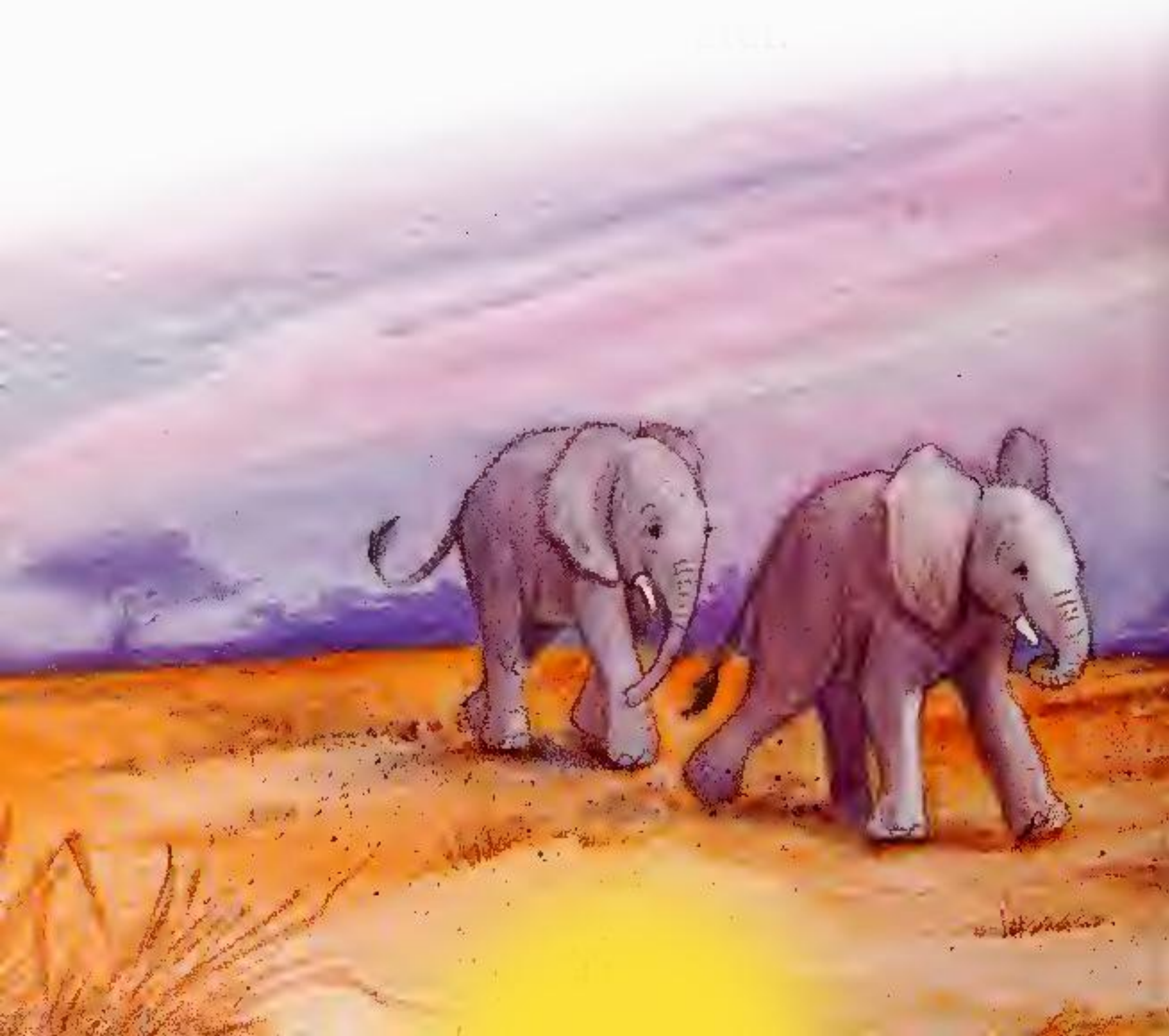
उसे मातृसत्तात्मक कहा जाता है.

वह 50 साल की है!

वह अपनी बहनों और बेटियों

और उनके सभी बच्चों को

खाना-पीना कहाँ मिलेगा, यह बताती है.



वह अपने परिवार को

वह सब कुछ सिखाती है

जो उन्हें जानना ज़रूरी है.

कितनी महान दादी माँ हैं!



हाथी बहुत होशियार होते हैं.

वे चीजों को लंबे समय तक याद रखते हैं.

इसीलिए कुछ लोग कहते हैं कि

"हाथी कभी नहीं भूलता."

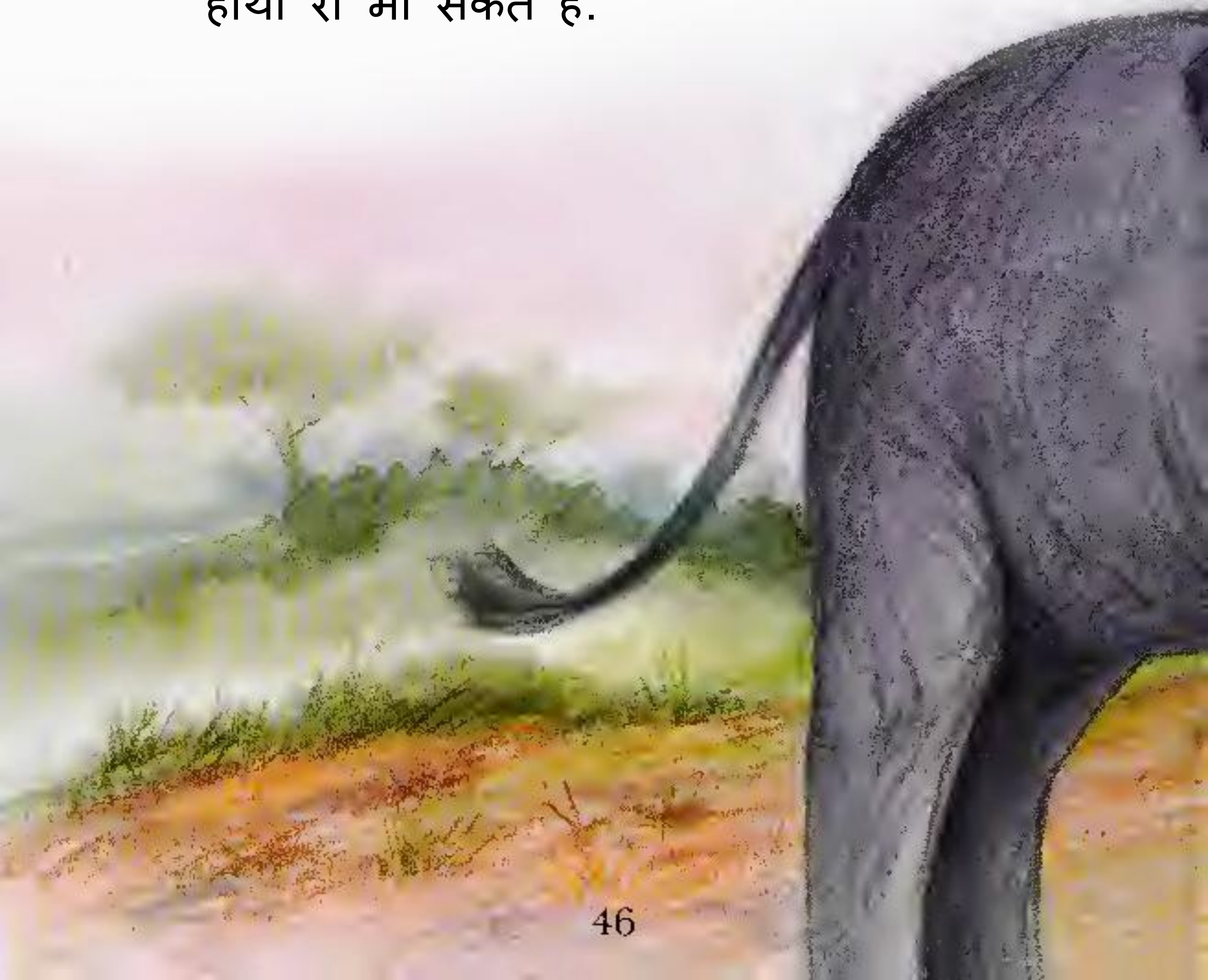
हाथी तब दुखी भी होते हैं जब

उनके परिवार का कोई सदस्य

बीमार होता है या मर जाता है.

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि

हाथी रो भी सकते हैं.



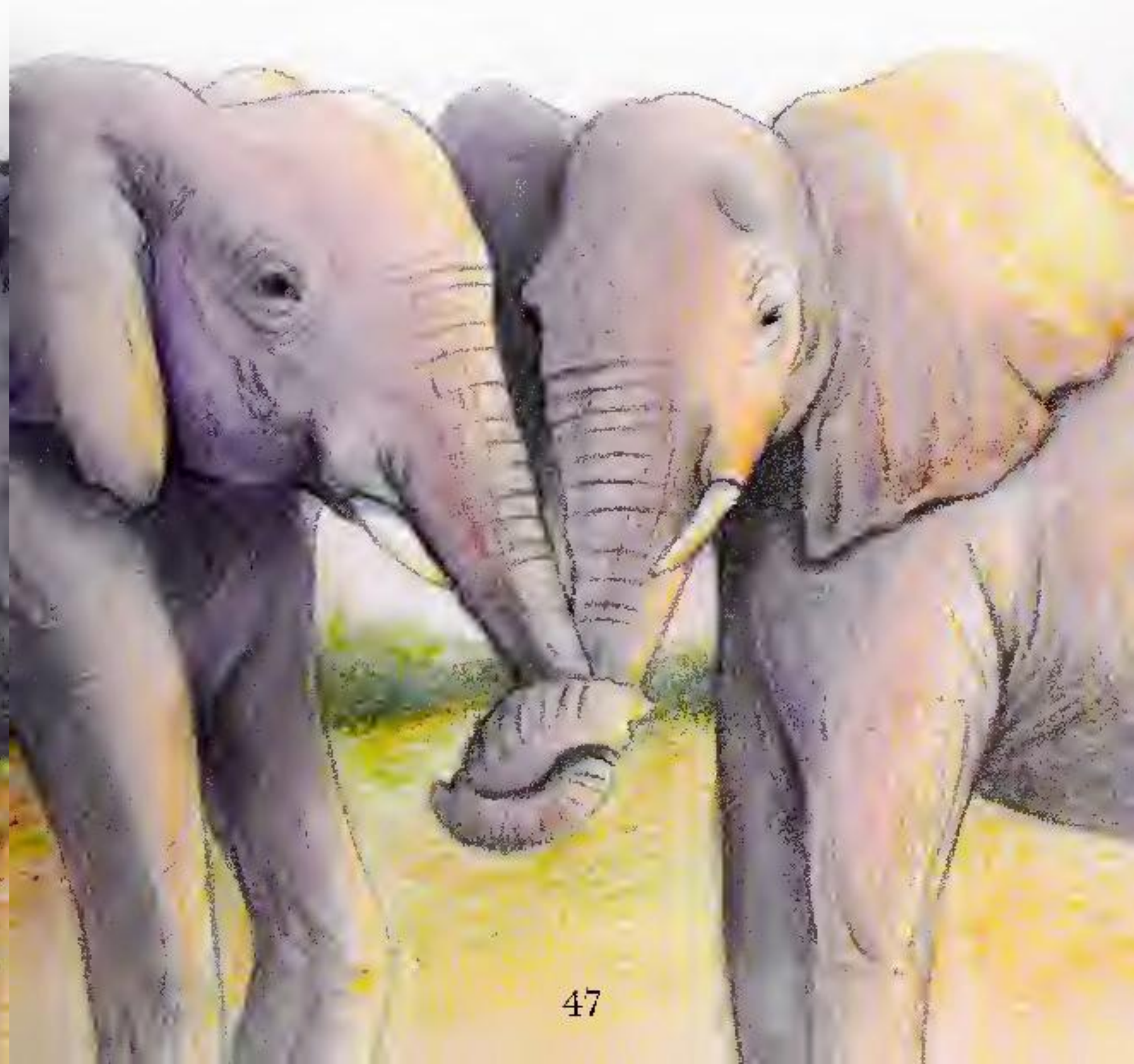
हाथी यह भी दिखाते हैं कि

वे एक-दूसरे की परवाह करते हैं.

वे अपनी सूंड से गले मिलते हैं और चूमते हैं.

मादा हाथी एक-दूसरे की रक्षा करती हैं

और अपने बच्चों की अच्छी देखभाल करती हैं.



यह हाथी की बच्ची बड़ी और सुंदर है.

उसकी माँ उस पर नज़र रखती है,

ठीक वैसे ही जैसे आपकी माँ आपसे प्यार करती है.

इंसान और हाथी एक जैसे नहीं दिखते.

लेकिन हम कई काम एक जैसे ही करते हैं.

हाथी के बच्चे भी आपके जैसे ही होते हैं!



हाथी की बच्ची

अफ़्रीकी घास के मैदान में,

एक हाथी की बच्ची पैदा होती है.

जंगल की ओर जाते समय

उसका परिवार उसका स्वागत करता है.

वह पानी के गड्ढे से पानी पीना सीखती है,

और अपनी सूंड से

अलग-अलग तरह की हरकतें करती है.

इस किताब में हाथी के बच्चे

के बारे में सब कुछ जानें